Title: Need to consider the demands of nurses on strike in Haryana, steps to establish Medical College at Kurukshetra and demand for the construction of over bridge at Yamuna Nagar, Shahabad and Kaithel.

श्रीमती कैलाशो देवी (कुरूक्षेत्र): मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान तीन मुद्दों की ओर दिलाना चाहती हूं। सबसे पहली बात तो यह है कि हरियाणा में नर्सों की हड़ताल को १५ दिन हो चुके हैं और अब यह हड़ताल समस्त हरियाणा प्रदेश की हड़ताल बन चुकी है। उन नर्सों ने हड़ताल इसलिए की है कि केन्द्र सरकार उनको समान वेतनमान और अन्य सुविधाएं दे। अध्यक्ष महोदय, उनकी मांगे जायज भी हैं क्योंकि नर्सें चाहे किसी भी स्टेट से संबंधित हों या केन्द्र से संबंधित हों, उनको कार्य बराबर ही करना पड़ता है। इसलिए मेरी तो केन्द्र सरकार से यह पुरजोर अपील है कि वह हरियाणा सरकार की नर्सों को केन्द्र सरकार की तरह वेतनमान देने के लिए बाध्य करे। नर्सों का जन्म तो सेवा के लिए ही हुआ है और वे अपने मरीज की सेवा अपने बच्चे से भी ज्यादा करती हैं। तो जाहिर है कि उनकी मांगे बिना मांगे ही मानी जानी चाहिए। चुनाव से पूर्व हरियाणा सरकार ने नर्सों से वायदा किया था कि यदि चुनाव के बाद उनकी पार्टी सरकार में आई तो उनकी तमाम मांगों को माना जाएगा। लेकिन अब वे अपने चुनावी वायदे से मुकर गये हैं। इसलिए केन्द्र सरकार नर्सों की सभी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए राज्य सरकार को हर हाल में बाध्य करे, ताकि नर्सों की हड़ताल समाप्त की जा सके और वहां स्वास्थ्य सेवाएं पुनः बहाल की जा सकें। वहां पर स्वास्थ्य सेवाएं तहस-नहस हो चुकी हैं, जिसके कारण मरीजों को बड़ी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तथा स्वास्थ्य सेवाओं के चौपट हो जाने से वहां पर त्राहि-त्राहि मची हुई है। इस समस्या का शीघ्र ही समाधान किया जाना चाहिए।

आप सभी जानते हैं कि कुरूक्षेत्र विश्व-प्रसिद्ध तीर्थ-स्थल है। रोहतक और चंडीगढ़ जैसे शहरों में मैडीकल कालेज हैं और पी.जी.आई. भी बन चुके हैं लेकिन कुरूक्षेत्र जैसे विश्व-प्रसिद्ध तीर्थ-स्थान पर एक भी मैडीकल कालेज न होने की वजह से उस स्थान के विद्यार्थियों को मैडीकल में दाखिला लेने के लिए कहीं अन्यत्र जाना पड़ता है, जबकि अन्य विष्यों में विदेशों के छात्र भी वहां शिक्षा लेने आते हैं। अतः कुरूक्षेत्र में मैडिकल कालेज की स्थापना हेतु केन्द्र सरकार को शीघ्र से शीघ्र कदम उठाने चाहिए।

माननीय रेलवे मंत्री अभी-अभी उठकर गये हैं। मेरी तीन समस्याएं रेलवे से संबंधित भी हैं।

... (व्यवधान)

यमुना नगर, शाहबाद और कैथल में औवर-ब्रिज बनाने की समस्या है। हिंदुस्तान की सबसे बड़ी पंचायत में हम बैठे हैं।

MR. CHAIRMAN: Please do not make a speech. This is the zero hour. Please conclude.

श्रीमती कैलाशो देवी : यदि इनको लागू करने में इस पंचायत ने देरी होगी तो दूसरी संस्थाओं को इससे क्या सबक मिलेगा। मेरी तो केन्द्र सरकार से यही पुरजोर अपील है कि यहां पर सांसद महोदय जो भी सुझाव दें, उनको केन्द्र सरकार शीघ्र से शीघ्र लागू करने के लिए निर्देश जारी करे, तभी यह कार्य प्रभावी रूप से हो पाएंगे, अन्यथा हमारा यहां बोलने का कोई भी फायदा नहीं होगा और न ही कोई कार्य भलीभांति हो पाएगा। मैंने अपने हलके के लिए जो तीन औवर-ब्रिजों की समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया है, यदि इस समस्या का हल नहीं किया गया, तो मैं अपनी समस्याओं के हल के लिए आमरण अनशन करूंगी।

MR. CHAIRMAN: The remaining matters will be taken up tomorrow.

The House stands adjourned to meet at 3 p.m.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till

Fifteen of the Clock.

———

15.04 hrs.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at four minutes

past Fifteen of the Clock.

(Shri Raghuvansh Prasad Singh in the Chair)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF TOURISM (SHRI MADAN LAL KHURANA): Sir, during Zero Hour when some hon. Members raised the question of bomb blast in Assam, I gave an assurance to the House that I would convey the matter to the Home Minister and request him to make a statement. I have since spoken to the Home Minister and he has kindly agreed to make a statement tomorrow.